

परीक्षक के लिए निर्देश :-

- 1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
- 2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

पंचम पत्र :

व्याकरणाचार्य - द्वितीय वर्ष
प्राचीन व्याकरण

काशिका 1-4

पूर्णांक
रेगुलर - 80
प्राइवेट - 100
80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :-

- 1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
- 2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र :

प्राचीन व्याकरण

काशिका 5-6

पूर्णांक
रेगुलर - 80
प्राइवेट - 100

परीक्षक के लिए निर्देश :-

- 1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
- 2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र :

निबन्ध तथा व्युत्पत्ति

काशिका 5-6

80 (100)

पूर्णांक
रेगुलर - 80
प्राइवेट - 100

- 1 निबन्ध व्याकरण विषय
- 2 वाक्यपदीय-ब्रह्मकाण्ड
- 3 व्युत्पत्ति व्याकरण विषय

40 (60) अंक
20 (20) अंक
20 (20) अंक

अष्टम पत्र : व्याकरण इतिहास तथा उणादिगण

पूर्णांक

रेगुलर - 80
प्राइवेट - 100

- 1 व्याकरण शास्त्र का इतिहास
- 2 उणादिगण पाठ

40(60) अंक
40(40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :-

- 1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
- 2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

दर्शनाचार्य - प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : न्यायदर्शन

पूर्णांक
रेगुलर - 80